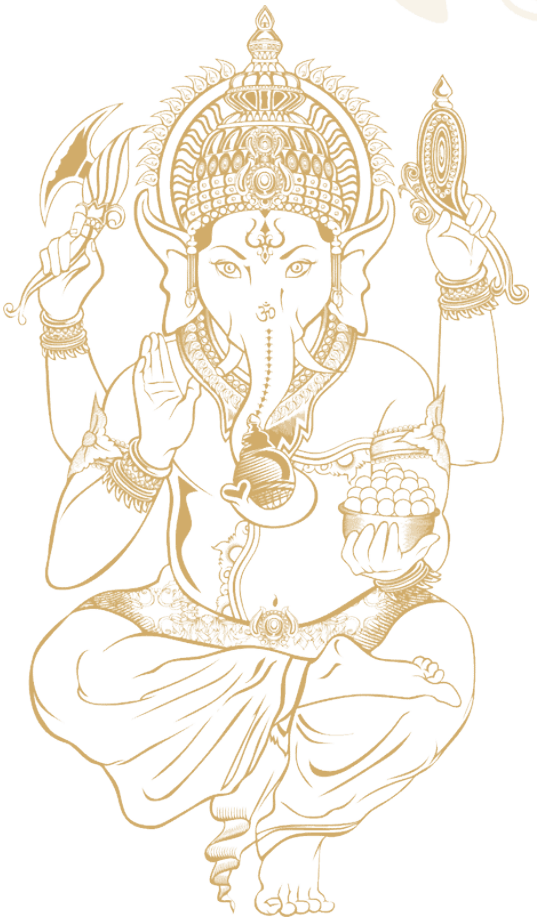

Nimish

Mayuri

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121032603

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
05/04/1991	जन्म तिथि	07/12/1990
शुक्रवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 11:20:00	जन्म समय	16:30:00 घंटे
घटी 12:33:47	जन्म समय(घटी)	24:23:48 घटी
India	देश	India
Solapur	स्थान	Nasik
17:43:00 उत्तर	अक्षांश	20:00:00 उत्तर
75:56:00 पूर्व	रेखांश	73:52:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:16	स्थानिक संस्कार	-00:34:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:18:29	सूर्योदय	06:56:57
18:40:09	सूर्यास्त	17:54:51
23:44:21	चित्रपक्षीय अयनांश	23:44:04

विंशोत्तरी बुध 1वर्ष 1मा 13दि		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी केतु 6वर्ष 3मा 7दि	
चन्द्र		10:18:32	मिथु	लग्न	वृष	00:35:59	चन्द्र	
18/05/2025		21:12:35	मीन	सूर्य	वृश्चि	21:20:25	16/03/2023	
19/05/2035		29:07:18	वृश्चि	चंद्र	सिंह	01:23:26	15/03/2033	
चन्द्र	19/03/2026	07:25:59	मिथु	मंगल व	वृष	08:13:06	चन्द्र	14/01/2024
मंगल	18/10/2026	05:16:12	मेष व	बुध	धनु	12:18:59	मंगल	14/08/2024
राहु	18/04/2028	09:51:40	कर्क	गुरु व	कर्क	19:46:32	राहु	13/02/2026
गुरु	18/08/2029	27:04:30	मेष	शुक्र	धनु	00:10:48	गुरु	15/06/2027
शनि	19/03/2031	11:42:14	मक	शनि	धनु	29:13:46	शनि	13/01/2029
बुध	17/08/2032	00:24:52	मक व	राहु	मक	05:11:51	बुध	15/06/2030
केतु	18/03/2033	00:24:52	कर्क व	केतु	कर्क	05:11:51	केतु	14/01/2031
शुक्र	17/11/2034	20:00:09	धनु	हर्ष	धनु	14:33:14	शुक्र	14/09/2032
सूर्य	19/05/2035	22:58:27	धनु	नेप	धनु	19:29:13	सूर्य	15/03/2033
		26:09:06	तुला व	प्लूटो	तुला	25:02:18		

लग्न-चलित

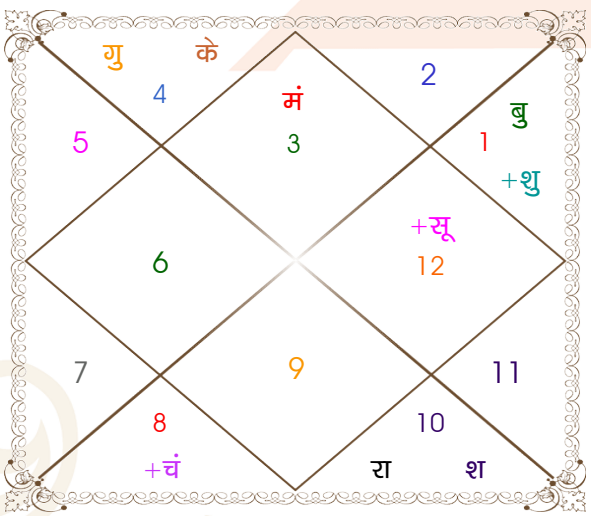

लग्न-चलित

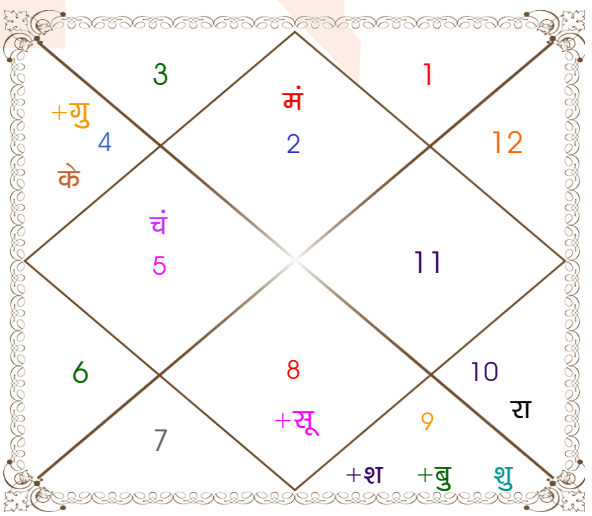

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	वनचर	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मृग	मूषक	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	सूर्य	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	सिंह	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	32.00		

छपउपेी का वर्ग मृग है तथा डंलनतप का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार छपउपेी और डंलनतप का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

छपउपेी मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

डंलनतप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

छपउपेी तथा डंलनतप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।